संजय कुमार पहागले

कक्षा आठवीं के विद्यार्थियों की हिन्दी भाषा में रूचि एवं योग्यता का अध्ययन

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल की
एम.एड. (आर.आई.ई.) उपाधि की
आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघुशोध प्रबंध
वर्ष 2010-2011

D- 354

मार्गदर्शक
संजय कुमार पंडागले
व्याख्याता
(शिक्षा विभाग)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान,
(एन.सी.ई.आर.टी.),
भोपाल (म.प्र.)

शोधकर्ता
दिलीप वसावा
एम.एड. (आर.आई.ई.)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान,
(एन.सी.ई.आर.टी.),
भोपाल (म.प्र.)

एन सी ई आर टी
NCERT

Regional Institute of Education
LIBRARY

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
(राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्)
श्यामला हिल्स, भोपाल (मध्यप्रदेश)

घोषणा पत्र

मैं दिलीप वसावा एम.एड., छात्र (आर.आई.ई) यह घोषणा करता हूँ कि **"कक्षा आठवीं के विद्यार्थियों की हिन्दी भाषा में रूचि एवं योग्यता का अध्ययन"** नामक विषय पर लघुशोध प्रबंध सत्र–2010–2011 में मेरे द्वारा संजय कुमार पंडागले प्रवक्ता शिक्षा विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (एन.सी.ई.आर.टी.) भोपाल के मार्गदर्शन में किया गया है।

यह लघुशोध प्रबंध मेरे द्वारा बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल की एम.एड. (आर.आई.ई) की 2010–2011 की उपाधि परीक्षा के आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत किया जा रहा है।

इस शोध के हेतु लिये गये आंकडे एवं सूचनायें विश्वसनीय स्त्रोतों तथा मूल स्थानों से प्राप्त किये गये है। ये प्रयास पूर्णतः मौलिक हैं।

स्थानः भोपाल

दिनांक

शोधकर्ता

दिलीप वसावा
एम.एड. (आर.आई.ई)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल (म.प्र.)

घोषणा पत्र

मैं **दिलीप वसावा** एम.एड., छात्र (आर.आई.ई) यह घोषणा करता हूँ कि **"कक्षा आठवीं के विद्यार्थियों की हिन्दी भाषा में रूचि एवं योग्यता का अध्ययन"** नामक विषय पर लघुशोध प्रबंध सत्र-2010-2011 में मेरे द्वारा संजय कुमार पंडागले प्रवक्ता शिक्षा विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (एन.सी.ई.आर.टी.) भोपाल के मार्गदर्शन में किया गया है।

यह लघुशोध प्रबंध मेरे द्वारा बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल की एम.एड. (आर.आई.ई) की 2010-2011 की उपाधि परीक्षा के आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत किया जा रहा है।

इस शोध के हेतु लिये गये आंकडे एवं सूचनायें विश्वसनीय स्त्रोतों तथा मूल स्थानों से प्राप्त किये गये है। ये प्रयास पूर्णतः मौलिक हैं।

स्थानः भोपाल
दिनांक 29-4-2011

शोधकर्ता
Dasava
दिलीप वसावा
एम.एड. (आर.आई.ई)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल (म.प्र.)

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि, **दिलीप वसावा** क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (एन.सी.ई.आर.टी.) भोपाल में एम.एड. (आर.आई.ई) का नियमित छात्र हैं। इन्होंने बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल से शिक्षा में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त करने हेतु प्रस्तुत लघुशोध विषय प्रबंध **"कक्षा आठवीं के विद्यार्थियों की हिंदी भाषा में रूचि एवं योग्यता का अध्ययन"** मेरे मार्गदर्शन में पूर्ण किया है। यह लघुशोध कार्य इनकी निष्ठा एवं लगन से किया गया मौलिक प्रयास है, जो पूर्व में इस आशय से विश्वविद्यालय में प्रस्तुत नहीं किया गया है।

प्रस्तुत लघुशोध प्रबंध बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय की एम.एड. (आर. आई.ई) परीक्षा सन् 2010-2011 की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत है।

Pandagale 29.4.2011

स्थानः भोपाल

दिनांक 29-4-2011

संजय कुमार पंडागले

प्रवक्ता शिक्षा

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल (म.प्र.)

आभार ज्ञापन

प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध **"कक्षा आठवीं के विद्यार्थियों की हिंदी भाषा में रूचि एवं योग्यता का अध्ययन"** की संपन्नता का संपूर्ण श्रेय मेरे अध्यापक महोदय **संजय कुमार पंडागले**, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल को जाता है। जिन्होंने निरंतर उचित परामर्श, पर्याप्त निर्देश तथा हमेशा प्रोत्साहन देकर शोध को पूर्ण करने में अमूल्य सहयोग प्रदान किया है। प्रस्तुत लघुशोध प्रबन्ध उनके द्वारा शोधकार्य में आत्मीय व्यवहार एवं अविस्मरणीय वात्सल्य पूर्ण सहयोग का प्रतिफल है। जिन्होंने मुझे स्वयं के बहुमूल्य समय में से एक अध्यापक, अभिभावक तथा निर्देशक के रूप में पर्याप्त समय दिया है। अतः मैं उनका ऋणी हूँ।

मैं आदरणीय प्राचार्य डॉ. कृ. बा. सुब्रमण्यम क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल का आभारी हूँ, जिन्होंने प्रस्तुत लघुशोध को सम्पन्न करने हेतु मुझे अनुमति प्रदान की।

मैं आदरणीय भूतपूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. शिव कुमार गुप्ता तथा विभागाध्यक्ष डॉ. रमेश बाबू तथा एम.एड. प्रभारी एल.यु. लक्ष्मी नारायण का कृतज्ञ हूँ जिनकी प्रेरणा, स्नेह, संरक्षण व सहयोग मुझे मिला।

मैं डॉ. एन.सी. ओझा, डॉ. एम.यू. पैइली , डॉ. किरण माथुर डॉ. कौशल किशोर खरे, डॉ. सुनिति खरे, आनंद वाल्मीकी एवं समस्त गुरूजनों का हृदय से आभारी हूँ जिन्होंने समय-समय पर उचित मार्गदर्शन प्रदान किये।

मैं पुस्तकालय अध्यक्ष श्री पी.के. त्रिपाठी एवं पुस्तकालय के सभी कर्मचारियों का हृदय से आभारी हूँ।

मैं परम मित्र वनराज मकवाणा, राजेश बारीया, प्रविण पांडव एवं सभी सहपाठियों को धन्यवाद करता हूँ। जिन्होंने समय समय पर यह कार्य पूर्ण करने में मेरा साहस बढ़ाया।

मैं उन सभी विद्यार्थियों और प्राचार्यों का आभारी हूँ जिन्होंने मुझे प्रदत्तों के संकलन में अपना बहुमूल्य समय तथा सहयोग प्रदान किया।

मैं अपने आदरणीय माता-पिता, भाई-बहन और परिवार के सभी सदस्यों का ऋणी रहूँगा, जिन्होंने मेरे अध्ययन में महत्वकांक्षा की पूर्ति हेतु तन मन धन से सहयोग दिया।

अंत में मैं उन सभी व्यक्तियों का धन्यवाद करना चाहूँगा जिन्होंने इस लघुशोध कार्य को पूर्ण करने में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से मदद की है।

स्थानः भोपाल
दिनांकः 29-4-2011

शोधकर्ता

Dvasava

दिलीप भाई जयसींग वसावा
एम.एड. (छात्र)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल (म.प्र.)

अनुक्रमणिका

पृष्ठ संख्या

प्रथम अध्याय

शोध परिचय 1–24

1.1	प्रस्तावना	1–3
1.2	भाषा का महत्व	3–5
1.3	मातृभाषा के रूप में हिन्दी	5–6
1.4	राज भाषा के रूप में हिन्दी	6–9
1.5	राष्ट्र भाषा के रूप में हिन्दी	9–11
1.6	विश्व की महान भाषा के रूप में हिन्दी	11
1.7	प्रतिनिधि भाषा के रूप में हिन्दी	11–13
1.8	साहित्य	14–15
1.9	रूचि क्या है ?	15
1.10	रूचिका अर्थ एवं परिभाषा	16
1.11	रूचि को कैसे बढ़ाया जाए	16–17
1.12	बालकों में रूचि उत्पन्न करने के कारण	17
1.13	योग्यता क्या है ?	17–18
1.14	भाषा योग्यता	18–19
1.15	कक्षा में योग्यता का महत्व	19–20
1.16	योग्यता की विशेषताऐं	20
1.17	शोध अध्ययन की आवश्यकता	20–21
1.18	समस्या कथन	21
1.19	शोध कार्य के उद्देश्य	21–22
1.20	शोध अध्ययन की परिकल्पना	22
1.21	शोध अध्ययन का सीमांकन	23
1.22	चेपटराइजेशन	23–24

द्वितीय अध्याय

सम्बंधित साहित्य का पुनरावलोकन 25-32

2.1	प्रस्तावना	25-26
2.2	साहित्य के पुनरावलोकन का महत्व	26
2.3	संबंधित साहित्य का अध्ययन	26-32
2.4	निष्कर्ष	32

तृतीय अध्याय

शोध की प्रविधि 33-41

3.1	भूमिका	33-34
3.2	न्यादर्श	34
3.3	न्यादर्श चयन	34-35
3.4	शोध में प्रयुक्त चर	35-37
3.5	प्रतिदर्श प्रमाण	37
3.6	शोध में प्रयुक्त उपकरण	37-40
3.7	प्रदत्तों का संकलन	40-41
3.8	शोध कार्य में प्रयुक्त सांख्यिकी	41

चतुर्थ अध्याय

प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या 42-47

4.1	प्रस्तावना	42
4.2	परिकल्पनाओं का परीक्षण	42-47

पंचम अध्याय

निष्कर्ष सुझाव एवं भावी शोध हेतु सुझाव

5.1	भूमिका	48-49
5.2	शोध कार्य का शैक्षिक महत्व	49-50
5.3	समस्या कथन	50

5.4	शोध में प्रयुक्त चर	50
5.5	अध्ययन के उद्देश्य	51
5.6	अध्ययन की परिकल्पना	51–52
5.7	प्रतिदर्श चयन	52
5.8	शोध अध्ययन का सीमांकन	52–53
5.9	सुझाव	53–55
5.10	शोध हेतु सुझाव	55

संदर्भ ग्रंथ सूची

परिशिष्ट

शोध कार्य के उपकरण